Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 30-08-2005

Participants : Rawale Shri Mohan

>

Title : Need to sanction funds for the repair of 19642 old buildings in Mumbai.

श्री मोहन रावले : महोदय, दो दिन पहले मुम्बई शहर में मरीन लाइन्स में एक बिल्डिंग गिर गई, जिसमें 6 लोग मर गये। पिछले सप्ताह मेरे चुनाव क्षेत्र नागपाड़ा के टेमकर लेन में बिल्डिंग गिरने के कारण 11 लोग मारे गये। यह सब वहां ज्यादा वार्ा होने के कारण हो रहा है। मुम्बई शहर में 19642 बिल्डिंग डिलेपिलेटिड अवस्था में हैं, ये बहुत जर्जर हो चुकी हैं। वहां पांच सौ से अधिक बिल्डिग्स की तुरंत मरम्मत होना बहुत आवश्यक है। मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से अपील करना चाहता हूं कि मुम्बई शहर से 57723 करोड़ रुपये सरकार को टैक्स के रूप में मिलते हैं। आज मुम्बई शहर में इन जर्जर इमारतों की तत्काल मरम्मत करने हेतु पांच हजार करोड़ रुपये की आ वश्यकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करता हूं कि वह उपरोक्त कार्य तुरंत शुरू करने के लिए तत्काल महाराट्र सरकार को पैसा दे। अभी श्री गुलाम नबी आजाद जी यहां नहीं हैं। मैं अध्यक्ष जी आपसे प्रार्थना करता हूं कि केन्द्र सरकार तुरंत पैसा दे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमारे पास पैसा नहीं है, हम कैसे देंगे।

श्री मोहन रावले : मुम्बई शहर 57723 करोड़ रुपये सरकार को टैक्स के रुप में देता है, क्या केन्द्र सरकार उसी मुम्बई शहर की जर्जर इमारतों की तुरंत मरम्मत हेतु पांच हजार करोड़ रुपये नहीं देगी? मैं प्रार्थना करता हूं कि केन्द्र सरकार इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करे।

MR. SPEAKER: You have very ably raised it.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Anant Gudhe, I am allowing you.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please listen to me. आपने दो मुद्दे दिये हैं।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is also not permitted. You have given notice for raising two matters. I cannot allow you to raise two matters. You are a senior Member. You are not a first-timer. You should cooperate with the Chair.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : सर, जूनियर मैम्बर्स खड़े हैं, आप उन्हें चान्स दें।

अध्यक्ष महोदय : हम जूनियर मैम्बर्स को ज्यादा बोलने का चान्स देते हैं, लेकिन जब जूनियर मैम्बर्स को हम बोलने का चान्स देते हैं तो सीनियर लोग कभी-कभी नाराज होते हैं।